Mr. Deputy-Speaker: The hon. Member clubs two or three questions at a time.

Shri Hari Vishnu Kamath: That has been done before. You have been watching from here what the Speaker has been permitting. We have done it for the last 18 months or so.

Mr. Deputy-Speaker: Hon. Speaker has told Members many times that two or three questions should not be clubbed together and that only one question should be put at a time.

Shri Hari Vishnu Kamath: Often we have clubbed two questions, even three questions sometimes. You should follow the distinguished example of the Speaker.

Shri Nanda: There is no further inquiry.

Shri Hari Vishnu Kamath: I could not hear the answer.

Shri Nanda: There is no further inquiry.

Shri Buta Singh: What is the answer to my question?

Mr. Deputy-Speaker: That does not arise out of this. That is too wide a question.

उर्वरक की कमी

+

*५०२. **श्री विश्राम प्रसाद :**
श्री महेश्वर नायक :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री गो० महन्ती :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री मुरारका :
श्री रवीन्द्र वर्मा :

क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में खाद्यान्नों की कमी मुख्यत: उर्वरक की कमी के कारण है ;

(ख) क्या सरकार उर्वरक का संपरण बढ़ाने के लिए नये कारखाने खोलने का विचार कर रही है ; और

(ग) यदि हां, तो तृतीय तथा चौथी योजना अवधि में कितने कारखाने खोलने का विचार है ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री हुमायून् कबिर) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी, हां ।

(ग) तीसरी योजना की अवधि में सात कारखानें चालू हैं तथा बारह निर्माण की स्थिति अथवा आयोजन (Planning) अवस्था में हैं । चौथी योजना के लिए प्रस्ताव विचाराधीन है ।

(a) No, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) During the Third Plan period, seven factories are in operation and twelve are under construction or at the stage of planning. Proposals for the Fourth Plan are under consideration.

श्री विश्राम प्रसाद : अभी मंत्री जी ने बताया कि १२ चौथी पंचवर्षीय योजना में चालू करने की व्यवस्था है । मैं जानना चाहता हूं कि ये १२ कहां कहां लगाए जायेंगे, उन पर कितना खर्च होगा तथा उनका क्या प्रोडक्शन होगा ?

श्री हुमायून् कबिर : आनरेबिल मेम्बर को कुछ गलतफहमी हो गयी है। मैं ने यह नहीं कहा था कि १२ चौथी योजना में लगाए जायेंगे । चौथी योजना के बारे में तो मैंने कहा था कि अभी विचाराधीन है । मैंने बताया था कि तीसरी योजना में ७ चालू हैं और १२ बनाए जा रहे हैं या आयोजन की अवस्था में हैं ।

श्री विश्राम प्रसाद : जो आपने १२ बताए कि बनाए जा रहे हैं, वे कहां कहां बनेंगे ।

क्या उनमें से कोई कारखाना पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी बनाने की व्यवस्था है ?

श्री हुमायून् कबिर : आनरेबिल मेम्बर को शायद मालूम होगा कि गोरखपुर में एक कारखाना इस तरह का बनाने का विचार है और उस पर काम भी शुरू हो गया है ।

Shri D. C. Sharma: I was told last time that there were some factories going to be started in the private sector. May I know how many of those factories have come into being and what is the total capacity of the factories that are going to be started in the private sector?

Shri Hunmayun Kabir: I am very sorry to say that out of the new factories licensed in the private sector, not one of them has come up yet. The position is that at the end of the Third Plan the contribution of the private sector will be negligible, may be less than 50,000 tons.

Shri P. C. Borooah: May I know whether India has attained the position of designing and building up the fertiliser plants indigenously and, if so, whether any scheme has been adopted to be implemented during the Third Five Year Plan?

Shri Humayun Kabir: Yes, Sir. We are planning that one of these factories will be designed by our people.

Mr. Deputy-Speaker: Next question.

Some Hon. Members *rose—*

Mr. Deputy-Speaker: I am not allowing more supplementaries on this because we have discussed the food situation for 15 hours and the planning is under discussion.

All India Service of Scientists

\+

*503. { **Shri Yashpal Singh:** / **Shri D. C. Sharma:**

Will the Minister of **Education** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 744 on the 18th September, 1963 and state:

(a) whether the Scientific Personnel Committee has since considered the proposal to set up an All India Service of Scientists; and

(b) if so, the main features of the proposal?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) Not yet, Sir.

(b) Does not arise.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार ने स्टेट गवर्नमेंटस से इस मामले में मशविरा किया है और अलग अलग स्टेट गवर्नमेंटस की इस मामले मामले में क्या राय है ?

श्री मु० क० छागला : हमने उनसे मशविरा किया है लेकिन सब स्टेट गवर्नमेंट्स का अभी तक जवाब नहीं आया है, कुछ ने जवाब दिया है । हम स्टेट गवर्नमेंटस के जवाब आने की राह देख रहे हैं । उसके बाद काम होगा ।

श्री यशपाल सिंह : इस काम में कितना समय और लग जाएगा ?

श्री मु० क० छागला : मैं बहुत दिलगीर हूं कि बहुत वक्त लग गया । हमारा ख्याल है कि जनवरी १९६४ तक रिपोर्ट आ जाएगी ।

Shri Warior: May I know whether the Government has an idea to pool all the scientists into one central pool so that no State will be debarred from getting efficient scientific personnel?

Shri M. C. Chagla: It is our intention to have a scientific pool. We are going to work for it so that it will act as a sort of rescue squad and if any State is in need, we will be able to rush reinforcements from that pool. But that will take some time.

श्री विश्राम प्रसाद: क्या यह सही है कि जो आई० सी० एस० और आई० ए० एस० आफिसर्स एडमिनिस्ट्रेटिव सरविस में हैं वे आल इंडिया सायंटिस्टस की सरविस बनाने में रुकावट डाल रहे हैं ?

Shri M. C. Chagla: I am not aware of that.